5000Rs

INDIA NON JUDICIAL

5000रु. Rs5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

25 MAY 2006

मै0 अन्जुमन बिल्डिकॉन प्रा0 लि0, 110-इन्द्रप्रकाश बिल्डिंग, 21-बारह खम्बा रोड,नई दिल्ली - 110001, द्वारा मुख्य प्रबन्धक श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र स्व0 सी.बी. शर्मा केयरआफ 110-इन्द्रप्रकाश बिल्डिंग, 21-बारहखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 को विक्रय कर दिया और बेच डाला और समस्त विक्रय मूल्य निम्नानुसार प्रथम पक्ष विक्रेता ने द्वितीय पक्ष क्रेता से प्राप्त करके विक्रित भूमि को अपने अधिकार, स्वामित्व एवं अधिपत्य आदि से निकालकर क्रेता के अधिकार, स्वामित्व एवं अधिपत्य आदि में देकर उनको व्यक्तिगत स्वामी एवं वास्तविक अधिकारी बना दिया। अब प्रथम पक्ष विक्रेता का कोई अधिकार या स्वत्व विक्रित भूमि से सम्बन्धित भविष्य के लिये शेष नही रहा और न होगा। वास्तविक परिवर्तन कार्यान्वित हुआ। यह विक्रय पूर्णतया उचित वैधानिक एवं मान्य है तथा प्रयोग होने योग्य है। कब्जा विक्रित भूमि का स्थल पर कतई खाली का द्वितीय पक्ष क्रेता को प्रदान कर दिया है तथा क्रेता ने विक्रित भूमि

राजकोट

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

का वास्तविक एवं भौतिक अधिपत्य स्थल पर प्राप्त कर लिया है। क्रेता उपरोक्त भूमि को अपनी इच्छानुसार प्रयोग में ला सकेंगे। किसी को कोई आपत्ति न होगी। क्रेता अपना नाम राजस्व अभिलेखों में बतौर स्वामी अंकित कराने के पूर्ण अधिकारी रहेंगे यदि इस हेतु प्रथम पक्ष विक्रेता की सहमति एवं रजामन्दी प्रस्तुत करने की आवश्यकता होगी तो उसका प्रथम पक्ष विक्रेता समयानुसार पूर्ण रूप से पाबन्द रहेंगे। कोई आपत्ति न होगी। यदि आज की तिथि से पूर्व का कोई डयूज या लगान विक्रित भूमि पर बकाया पाया जायेगा तो उसका चुकता करने का भार हम विक्रेता के जिम्मे होगा और आज की तिथि के बाद समस्त डयूज एवं लगान को स्वयं क्रेता वहन करेंगे। कोई आपत्ति न होगी। यदि अब अथवा भविष्य में विक्रित भूमि अथवा उसका कोई अंश क्रेता के अधिकार, स्वामित्व एवं अधिपत्य आदि से निकल जायेगा या विक्रित भूमि पर कोई ऋण या भार आदि पाया जायेगा या यह बैनामा किसी न्यायालय से खण्डित अथवा मन्सूख करार

राजकुमार सिंह

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

पा जायेगा तो ऐसी प्रत्येक वैधानिक दशा में क्रेता के विक्रय मूल्य अथवा उसका अंश जैसी स्थिति हो, मय हर्जा व खर्चा व भविष्य मे लगाई लागत सहित वापिस चुकता करने का भार प्रथम पक्ष विक्रेतागण तथा उनके उत्तराधिकारी सहित उनकी चल व अचल सम्पत्ति समस्त प्रकार पर रहेगा। कोई आपत्ति न होगी। अत: यह विक्रय पत्र लिख दिया कि सनद हो और उचित समय पर काम आवे। इति।

भूमि किस्म सेवटा अव्वल आबी है।

विक्रेतागण अनुसूचित जाति से नही है।

विक्रित भूमि कृषि भूमि है तथा समस्त राजस्व अभिलेखों में कृषि के रूप में दर्ज है और वर्तमान में कृषि हो रही है।

विक्रित भूमि में कोई बाग या पेड़ व बोरिंग आदि नही है।

राजवीर सिंह

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

विवरण प्राप्ति विक्रय मूल्य:

अंकन 50,000/- रूपये चैक नम्बर 930306 दिनांक 30.3.2006

अंकन 1,00,000/- रूपये चैक नम्बर 930308 दिनांक 27.4.2006

अंकन 1,45,425/-रूपये चैक नम्बर 152834 दिनांक 23.5.2006

सभी चैक यू टी आई बैक लि0 शाखा नई दिल्ली

इस प्रकार प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष क्रेता से कुल अंकन 2,95,425/- रूपये प्राप्त किये।

दिनांक: 25.05. पच्चीस मई सन 2006 ई0

मसविदा: जिनेन्द्र कुमार जैन, एडवोकेट, सरधना जिला मेरठ

राजवीर सिंह